SVVV & Choithram College Hold National Convention On Healthcare For All

Shri Vaishnav Vidhyapeeth Vishwavidyalaya organised a national medical convention 'Healthcon 2018' in collaboration with Choithram College of Nursing on September 14. The topic of the convention was 'Health For All- Emerging Realities'. DAVV former vice-chancellor Dr Bharat Chhaparwal was chief guest. Different sessions were organised by experts from across the country.

Dainik Bhaskar Date: 15.09.2018

श्री वैष्णव विद्यापीठ विवि में दो दिवसीय नेशनल मेडिकल कांफ्रेंस हेल्थ-कॉन 2018 का आयोजन

इंदौर| श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय ने शुक्रवार को चोइथराम कॉलेज ऑफ नर्सिंग के साथ संयुक्त रूप से राष्ट्रीय चिकित्सा सम्मेलन "हेल्थ-कॉन 2018" का आयोजन किया। सम्मेलन का विषय "हेल्थ फॉर आल-इमर्जिंग रिऐलिटीज" था। मुख्य अतिथि डॉ.भरत छपरवाल, पूर्व कुलपति डीएवीवी और अतिथि प्रोफेसर डॉ.शरद थोरा, डीन-एमजीएम कॉलेज ने समारोह का उद्घाटन किया। पुरुषोत्तम दास पसारी, कुलाधिपति श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय, कमलनाथ भुराडिया, सचिव श्री वैष्णव ट्रस्ट, डॉ.उपिंदर धर, कुलपति, डॉ केएन गुरुप्रसाद, चेयरपर्सन-हेल्थ-कॉन '2018, डॉ.उशा उकांडे प्रिंसिपल-चोइथराम नर्सिंग कॉलेज और संयोजक- हेल्थकॉन 2018 उद्घाटन समारोह में उपस्थित रहे। स्वागत भाषण में डॉ. धर ने कहा कि एक अध्ययन के मुताबिक कैंसर को सबसे बड़ा हत्यारा माना गया है। यह जरूरी है कि हेल्थ केयर के क्षेत्र में अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए। श्री पसारी और श्री भूराडिया ने वैष्णव ट्रस्ट की यात्रा और भविष्य की योजनाओं को साझा किया।

पत्रिकाPLUS CITY LIVE

इंदौर, 15.09.2018

PATRIKA.COM/ENTERTAINMENT

वैष्णव विद्यापीठ में हुआ राष्ट्रीय चिकित्सा सम्मेलन 'हेल्थ कॉन 2018'

'मधुमेह से होने वाली मौतें 26 से 65 मिलियन हुईं'

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

इंदौर • श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय ने शुक्रवार को चोइथराम कॉलेज ऑफ नर्सिंग के साथ संयुक्त रूप से राष्ट्रीय चिकित्सा सम्मेलन 'हेल्थ-कॉन 2018' का आयोजन किया। सम्मेलन का विषय 'हेल्थ फॉर आल-इमर्जिंग रिऐलिटीज' था।

मुख्य अतिथि डॉ. भरत छपरवाल, पूर्व कुलपति डीएवीवी, अतिथि प्रोफेसर डॉ. शरद थोरा, डीन-एमजीएम कॉलेज, इंदौर ने समारोह का उद्घाटन किया। पुरुषोत्तम दास पासारी, कुलाधिपति वैष्णव विद्यापीठ विवि, कमलनाथ भुराड़िया, सचिव वैष्णव ट्रस्ट, डॉ. उपिंदर धर, कुलपति- वैष्णव विद्यापीठ, डॉ केएन गुरुप्रसाद, चेयरपर्सन हेल्थ-कॉन 2018, डॉ. उषा उकांडे प्रिंसिपल चोइथराम नर्सिंग कॉलेज और संयोजक-हेल्थकॉन 2018 उपस्थित रहे। डॉ. धर ने कहा, एक अध्ययन के मुताबिक कैंसर को सबसे बड़ा हत्यारा माना गया है। 2018 में हृदय रोगियों की 28 फीसदी मौत हुई और मधुमेह के कारण होने वाली मृत्यु 26 मिलियन से 65 मिलियन हो गई है। इन सभी पहलुओं को देखते हुए यह महत्वपूर्ण है कि हेल्थ केयर के क्षेत्र में अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए। इस मौके पर पासारी और भूराड़िया ने श्री वैष्णव ट्रस्ट की यात्रा और भविष्य की योजनाओं को साझा किया।

डॉ. छपरावाल ने कहा, भारत में स्वास्थ्य समस्या के पूर्वानुमान में कमी के कारण मृत्यु अनुपात में वृद्धि हुई है। डॉ. थोरा ने कहा, हमें यह समझना चाहिए कि हेल्थ केयर के क्षेत्र में आने वाले मुद्दों को कैसे हल किया जाए। प्रसव के समय भारत में मृत्युदर का अनुपात अधिक है। इसके पीछे अन्य मुख्य कारण ग्रामीण इलाकों में चिकित्सा सुविधाओं की अनुपलब्धता है। चिकित्सा विज्ञान का 70 फीसदी अलाइड हेल्थ केयर विज्ञान पर निर्भर है और यह सबसे उभरता हुआ क्षेत्र है। डॉ. उकांड ने सम्मलेन का संक्षिप्त परिचय दिया और कहा, यह सम्मेलन सभी विशेषज्ञों, विद्वानों और शिक्षाविदों को स्वास्थ्य के क्षेत्र में इनोवेटिव विधि और तकनीकों के बारे में बात करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा। डॉ. गुरुप्रसाद ने आभार व्यक्त किया।

देशभर से आए एक्सपर्ट : सम्मलेन में कई सत्रों का आयोजन किया, जिनमे देशभर से आए सभी एक्सपर्ट ने अपने विचार व्यक्त किए। प्रथम सत्र में विशेषज्ञ डॉ. महताब सिंह, वरिष्ठ सुधार सलाहकार, राष्ट्रव्यापी गुणवत्ता देखभाल नेटवर्क, न्यू दिल्ली ने हेल्थ केयर में गुणवत्ता और सुधार, डॉ. सुधा टी नायर, एमडी (एएम), निदेशक नर्सिंग, वीपीएस रॉकलैंड अस्पताल, मानेसर, हरियाणा ने हेल्थ केयर की शिक्षा में भूमिका की व्याख्या की।

द्वितीय सत्र में डॉ. दिलशादा वानी, उपाध्यक्ष एमएमआइएनएसआर एसकेआइएमएस सौरा श्रीनगर, जम्मू-कश्मीर ने स्वतंत्र नर्स प्रैक्टिशनर पर एक सत्र लिया जिसमें मुख्य रूप से भारतीय हेल्थ केयर सेटिंग्स में व्यवहार्यता पर चर्चा की। डॉ मेहमूदा रेगु, प्रिंसिपल, मदर-ए-मेहरबान संस्थान नर्सिंग साइंसेज एंड रिसर्च, एसकेआइएमएस, सौरा, जम्मू-कश्मीर ने नर्स और मिडवाइव्ज, जो हेल्थ केयर में सबसे बड़ा कार्यबल है पर चर्चा की और डॉ मुनीरा बशीर, एसोसिएट प्रोफेसर, मदर-ए-मेहरबान इंस्टिट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेस और अनुसंधान, एसकेआइएमएस, सौरा, जम्मू-कश्मीर ने हेल्थ केयर सेवाओं के वितरण में नर्सों द्वारा उन्नत प्रौद्योगिकी का उपयोग समझाया। इस सत्र की अध्यक्षता डॉ. आनंद राजावत ने की। अंतिम सत्र मौखिक प्रस्तुतियों पर आधारित था। इसकी अध्यक्षता डॉ. टीके सिन्हा ने की।